श्री वेंकटेश करावलंब स्तोत्रं

श्री वेंकटेश करावलंब स्तोत्रं

श्रीशेषशैल सुनिकेतन दिव्यमूर्ते
नारायणाच्युत हरे नळिनायताक्ष |
लीलाकटाक्षपरिरक्षितसर्वलोक
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 1 ||

ब्रह्मादिवंदितपदांबुज शंखपाणे
श्रीमत्सुदर्शनसुशोभितदिव्यहस्त |
कारुण्यसागर शरण्य सुपुण्यमूर्ते
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 2 ||

वेदांतवेद्य भवसागर कर्णधार
श्रीपद्मनाभ कमलार्चितपादपद्म |
लोकैकपावन परात्पर पापहारिन्
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 3 ||

लक्ष्मीपते निगमलक्ष्य निजस्वरूप
कामादिदोषपरिहारित बोधदायिन् |
दैत्यादिमर्दन जनार्दन वासुदेव
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 4 ||

तापत्रयं हर विभो रभसान्मुरारे
संरक्ष मां करुणया सरसीरुहाक्ष |
मच्छिष्यमप्यनुदिनं परिरक्ष विष्णो
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 5 ||

श्रीजातरूप नवरत्न लसत्किरीट
कस्तूरिकातिलकशोभिललाटदेश |
राकेंदुबिंबवदनांबुज वारिजाक्ष
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 6 ||

वंदारुलोक वरदान वचोविलास
रत्नाढ्यहारपरिशोभितकंबुकंठ |
केयूररत्न सुविभासि दिगंतराळ
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 7 ||

दिव्यांगदांचित भुजद्वय मंगळात्मन्
केयूरभूषणसुशोभितदीर्घबाहो |
नागेंद्रकंकणकरद्वय कामदायिन्
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 8 ||

स्वामिन् जगद्धरण वारिधि मध्यमग्नं
मामुद्धराद्य कृपया करुणापयोधे |
लक्ष्मीं च देहि मम धर्मसमृद्धिहेतुं
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 9 ||

दिव्यांगराग परिचर्चित कोमलांग
पीतांबरावृततनो तरुणार्कदीप्ते |
सत्कांचनाभ परिधान सुपट्टबंध
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 10 ||

रत्नाढ्यदामसुनिबद्ध कटिप्रदेश
माणिक्यदर्पण सुसन्निभ जानुदेश |
जंघाद्वयेन परिमोहित सर्वलोक
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 11 ||

लोकैकपावनसरित्परिशोभितांघ्रे
त्वत्पाददर्शन दिनेश महाप्रसादात् |
हार्दं तमश्च सकलं लयमाप भूमन्
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 12 ||

कामादिवैरि निवहोऽच्युत मे प्रयातः
दारिद्र्यमप्यपगतं सकलं दयाळो |
दीनं च मां समवलोक्य दयार्द्रदृष्ट्या
श्रीवेंकटेश मम देहि करावलंबं || 13 ||

श्रीवेंकटेश पदपंकजषट्पदेन
श्रीमन्नृसिंहयतिना रचितं जगत्यां |
एतत्पठंति मनुजाः पुरुषोत्तमस्य
ते प्राप्नुवंति परमां पदवीं मुरारेः || 14 ||

इति श्री शृंगेरि जगद्गुरुणा श्री नृसिंह भारति स्वामिना रचितं श्री वेंकटेश करावलंब स्तोत्रं |